गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 097
दि. 05.08.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भरूच के जंबूसर में निमार्णाधीन बल्क ड्रग पार्क के कामकाज की प्रगति का निरीक्षण किया

गांधीनगर, 04 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को भरूच जिले के जंबूसर में 815 हेक्टेयर यानी 2015 एकड़ क्षेत्र में निमार्णाधीन बल्क ड्रग पार्क का स्थल दौरा कर वहाँ हो रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। पीएम के नेतृत्व में 2020 में घोषित बल्क ड्रग पार्क पॉलिसी अंतर्गत गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के माध्यम से दवाइयों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के उद्देश्य से जंबूसर में इस बल्क ड्रग पार्क का आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ निर्माण हो रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने बदल दी रांझना की एंडिंग, कॉपीराइट का नहीं रहेगा महत्व?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल फिल्मों और क्रिएटिव वर्ल्ड में हो रहा है। अगर एआई की मदद से फिल्मों की कहानी ही बदल दी जाए या डॉयलॉग बदल दें, तो इसका क्या असर होगा? हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ एक वीडियो, जिसमें अक ने बॉलीवुड फिल्म 'रांझना' की एंडिंग बदल दी। इस वीडियो में कुंदन (धनुष) की मौत नहीं होती, बल्कि जोया (सोनम कपूर) के साथ वह एक नई शुरूआत करता है। इस पर फिल्म के एक्टर धनुष और डायरेक्टर ने भी नाराजगी जाहिर की है।

मोहम्मद सिराज के अंतिम विकेट पर कमेंट्री बॉक्स में क्या हुआ? 'जंगल की आग' की तरह फैला वीडियो

भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ओवल में अंतिम टेस्ट मैच काफी रोमांचक रहा। सीरीज 2-2 पर समाप्त हुई इस मैच की यह करीबी हार इंग्लैंड को सालों तक याद रहेगी। प्लेयर्स ने दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया। कमेंट्री बॉक्स में अलग ही माहौल चल रहा था। वहां तीन लोग मौजूद थे और सिराज द्वारा विकेट लेते ही वहां जश्न चलने लगा। हर्षा भोगले, चेतेश्वर पुजारा और सुनील गावस्कर जैसे नाम कमेंट्री बॉक्स में थे। सिराज को विकेट मिलते ही सुनील गावस्कर खुशी से उछल पड़े और नाचने लगे।

मालेगांव ब्लास्ट केस में दिखाई जाएगी कोर्ट केस की कहानी, जानें कौन है डायरेक्टर और कब आएगी फिल्म?

मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए कोर्ट ने पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल श्रीकांत पुरोहित समेत सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। इस केस के फैसले पर राजनीतिक बयानबाजी भी खूब हो रही है। भोपाल में साध्वी प्रज्ञा और पुणे में कर्नल पुरोहित का जोरदार स्वागत किया गया। अब इस घटना और कोर्ट केस पर जल्द ही फिल्म बनने वाली है। प्रोड्यूसर साहिल सेठ ने 'मालेगांव फाइल्स' बनाने का ऐलान किया है। मालेगांव फाइल्स बनाने को लेकर उन्होंने बताया कि इस फिल्म में सच को उसी रूप में पेश किया जाएगा। फिल्म का डायरेक्शन 'माय फ्रेंड गणेशा' जैसी फिल्म से पहचान बनाने वाले निर्देशक राजीव एस रूइया करेंगे।

पीएम मोदी की सांसदों संग अहम बैठक रणनीति और उपराष्ट्रपति चुनाव पर मंथन!

(जीएनएस)।

मानसून सत्र के दौरान सदन में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राजग संसदीय दल की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करेंगे।

उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले प्रस्तावित इस बैठक को कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है कि बैठक की निर्धारित तिथि पांच अगस्त है, जो पीएम मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में विशेष महत्व रखती है।

वर्ष 2019 में इसी तारीख को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया था और एक वर्ष बाद 2020 में इसी दिन पीएम मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन का नेतृत्व भी किया था। इसलिए माना जा रहा है कि यह बैठक सिर्फ संसदीय रणनीति तक सीमित नहीं रह सकती है।

हालांकि बैठक के एजेंडा के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है, किंतु भाजपा की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि बैठक मंगलवार की सुबह 9:30 बजे संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी, जिसमें दोनों सदनों के राजग सदस्यों से मौजूद रहने का आग्रह किया गया है।

बहरहाल, लगभग एक वर्ष बाद राजग संसदीय दल की यह बैठक होने जा रही है। पिछली बार दो जुलाई 2024 को तब हुई थी, जब मोदी तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार राजग सांसदों से मिले थे। इस बार यह बैठक ऐसे वक्त में बुलाई गई है जब दोनों सदनों की कार्यवाही लगभग ठप पड़ी हुई है।

एसआईआर को लेकर विपक्ष का आरोप

ऑपरेशन सिंदूर पर विमर्श के बाद भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष लगातार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाकर हंगामा कर रहा है।

बैठक का दूसरा बड़ा एजेंडा उपराष्ट्रपति का चुनाव हो सकता है। इस पद के लिए सात अगस्त से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जो 21 अगस्त तक चलेगी। विपक्ष की ओर से भी प्रत्याशी उतारने की स्थिति में मतदान नौ सितंबर को हो सकता है।

इस बीच राजग को प्रत्याशी की घोषणा करनी है।

हालांकि दोनों सदनों में उसे बहुमत प्राप्त है।

इसलिए उसकी जीत पक्की मानी जा रही है। बैठक को प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करने वाले हैं। जाहिर है, वह न सिर्फ सदन में गतिरोध को लेकर सांसदों को दिशा-निर्देश देंगे, बल्कि हाल की घटनाओं जैसे पहलगाम में आतंकी हमला के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात कर सकते हैं।

राजग में एकजुटता का संकेत

हालांकि ऐसी बैठकों में सामान्य तौर पर प्रधानमंत्री सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में उठाए जाने वाले मुद्दों पर मार्गदर्शन देते आए हैं। साथ ही, जनता से संवाद के लिए उन्हें आवश्यक 'टिप्स' भी देते आए हैं।

केंद्र में सहयोगी दलों के साथ सरकार चला रहे भाजपा को उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले राजग की एकजुटता का भी संदेश देना है। बैठक में जदयू, तेदेपा और एलजेपी (रामविलास) को भी आमंत्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने टाउनशिप स्कीम को अटल शताब्दी नाम से पूर्व पीएमश्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को समर्पित किया

लखनऊ : (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को 05 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अनुरूप हमने उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाए जाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए यह आवश्यक है कि हम अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए किए जाने वाले प्रयासों को एक नई गति प्रदान करें। अर्बनाइजेशन इसका एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी शहरी निकायों, विकास प्राधिकरणों और औद्योगिक प्राधिकरणों को अपने-अपने यहां एक नई टाउनशिप स्कीम को आगे बढ़ाने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है। इसी के तहत आज मेरठ में साढ़े सात एकड़ से अधिक भूभाग में इण्टीग्रेटेड टाउनशिप स्कीम लॉन्च की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद मेरठ में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत नवीन टाउनशिप परियोजना का भूमि पूजन/शिलान्यास करने के उपरान्त इस अवसर पर

आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत 675 उद्यमियों को 29 करोड़ रुपये का ऋण, 881 स्वयं सहायता समूहों को 64 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण भी किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी तथा आयुष्मान कार्ड वितरित किये तथा जैविक खेती के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने पौधरोपण भी किया। उन्होंने सभी को रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और देश की आजादी के पर्व स्वाधीनता दिवस की बधाई दी। ज्ञातव्य है कि 295 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली यह परियोजना मेरठ को आवासीय, औद्योगिक और वाणिज्यिक सुविधाओं का एक आधुनिक केन्द्र बनाएगी।

बिहार की नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू, स्थानीय युवाओं को मिलेगा लाभ

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षक भर्ती के लिए डोमिसाइल नीति की घोषणा की है, जिससे स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता मिलेगी। इस कदम का उद्देश्य सरकारी नौकरियों में स्थानीय प्रतिनिधित्व की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करना और बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

बिहार में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, अपने इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज एक और बड़ा ऐलान किया है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा ऐलान करते हुए शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू करने की घोषणा की है। इसके लागू होने के बाद बिहार में अब शिक्षक नियुक्ति

प्रक्रिया में प्रदेश के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए इसका ऐलान किया है। बिहार में काफी समय से सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग हो रही थी, जिसमें मुख्यमंत्री ने आज पूरा कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं. शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (डोमिसाइल) को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है।"

सत्येंद्र जैन को मिली जीत, दिल्ली कोर्ट ने आप नेता के खिलाफ चल रहा भ्रष्टाचार केस किया बंद, नहीं मिले सबूत

(जीएनएस)।

दिल्ली आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेता सत्येन्द्र जैन को 4 अगस्त 2025 को बड़ी जीत मिली है। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला बंद कर दिया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी चार साल की लंबी जांच के बाद इस मामले में किसी भी अवैध कमाई का कोई सबूत नहीं पाया था।

राउज एवेन्यू कोर्ट्स के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) डिग विनय सिंह ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया। उन्होंने टिप्पणी की कि चार साल की जांच के बाद जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं मिला है, न ही किसी आपराधिक साजिश का कोई संकेत है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि, "प्रस्तुत आरोप और तथ्यात्मक पृष्ठभूमि आगे की जांच या कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि संदेह सबूत की जगह नहीं ले सकता। यह भी ध्यान देने योग्य है कि, किसी पर आरोप लगाने के लिए भी, मात्र संदेह पर्याप्त नहीं है; आगे बढ़ने के लिए कम

से कम मजबूत संदेह आवश्यक होगा।"

इन टिप्पणियों के साथ, अदालत ने मामले को बंद करने का आदेश दिया। यह आरोप लगाया गया था कि दिल्ली सरकार में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, जैन ने आउटसोर्सिंग के माध्यम से पीडब्ल्यूडी के लिए 17 सलाहकारों की एक टीम को अनुबंधित करने की मंजूरी दी थी।

यह आरोप था कि इस प्रक्रिया में मानक सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं को दरकिनार किया गया। सतर्कता विभाग की शिकायत के आधार पर, मई 2019 में जैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

हालांकि, चार साल की गहन जांच के बाद, सीबीआई ने पाया कि विभाग की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए पेशेवरों की नियुक्ति आवश्यक थी। एजेंसी ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और पूरी तरह से प्रतिस्पर्धी थी।

सीबीआई को भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, अनुचित लाभ या व्यक्तिगत लाभ का कोई सबूत नहीं मिला। क्लोजर रिपोर्ट पर विचार करने के बाद, अदालत ने उसे स्वीकार कर लिया और मामले को पूरी तरह से बंद कर दिया।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में किसी के खिलाफ कोई नया मटेरियल या सबूत सामने आता है, तो सीबीआई को मामले की आगे जांच करने की पूरी स्वतंत्रता होगी।

अतिवृष्टि : नुकसान की होगी भरपाई, सरकार है आपके साथः सीएम डॉ. यादव

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतिवृष्टि/बाढ़ से जनता को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। कोई चिंता न करें, सरकार आपके साथ है। प्रत्येक प्रभावित परिवार का सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति की जाए। सरकार द्वारा ,डीबीटी प्रणाली, के माध्यम से सहायता राशि सीधे प्रभावितों के खातों में पहुंचाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को गुना में बाढ़/अति वर्षा प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान यह बात कही। उन्होंने जिले के विभिन्न वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा भी की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री ने कैंट क्षेत्र, पटेल नगर में घर-घर जाकर प्रभावित

नागरिकों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने न्यू टेकरी रोड स्थित पवन कॉलोनी पहुँचकर वर्षा से प्रभावित परिवारों से भेंट कर हालात जाने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिससे अभूतपूर्व स्थिति निर्मित हुई। इस चुनौती का प्रशासन ने तत्परता एवं समन्वय के साथ सामना किया। गुना न्यू सिटी कॉलोनी की एक बुजुर्ग महिला सहित 170 नागरिकों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। विभिन्न जलाशयों में जलस्तर बढ़ने से राहत कार्यों की गति तेज की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि एनडीआरएफ की 70 सदस्यीय टीम द्वारा सघन बचाव कार्य किए गए। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर भोजन पैकेट वितरण, अस्थायी आश्रय स्थल की स्थापना तथा आवश्यक सामग्री वितरण जैसे राहत कार्य किए।

ट्रंप ने भारत को फिर धमकाया, बोले- भारत पर लगाऊंगा भारी टैरिफ, बताई नाराजगी की वजह भी

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत को टैरिफ के नाम पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को एक बाद फिर ट्रंप ने भारत को फिर चेतावनी दी है कि वह देश पर लगाए जाने वाले शुल्कों (टैरिफ) में 'काफी हद तक वृद्धि' करेंगे।

ट्रंप ने आरोप लगाया है कि भारत रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीद कर उसे ऊंचे दामों में दूसरे देशों को बेचकर मुनाफा कमा रहा है। इसके साथ ट्रंप ने कहा कि भारत को युक्रेन में हो रही मानव त्रासदी की परवाह नहीं है जहां पर रूसी युद्ध मशीने यूक्रेन के लोगों को मार रही है।

यह बयान यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से भारत के संबंधों और भारतीय वस्तुओं पर लगे 'हाई यूएस टैरिफ' को मुख्य कारण बता रहा है। ट्रंप का यह नया बयान पिछले सप्ताह की उनकी घोषणा के बाद आया है, जिसमें

उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी। उनका तर्क था कि नई दिल्ली अमेरिकी सामानों पर 'उच्च शुल्क' लगाता है और रूसी तेल व सैन्य उत्पाद खरीदता है।

ट्रुथ सोशल पर अपने पोस्ट में, ट्रंप ने साफ तौर पर कहाः "भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए अधिकांश तेल को खुले बाजार में बड़े मुनाफे पर बेच रहा है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि रूसी युद्ध मशीनरी द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं।"

ट्रंप ने आगे लिखा, "इसी वजह से, मैं भारत द्वारा अमेरिका को भुगतान किए जाने वाले टैरिफ को काफी बढ़ा दूंगा। इस मामले पर आपके ध्यान के लिए धन्यवाद!!!" उन्होंने पिछले सप्ताह भारत और रूस को "अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को लेकर एक साथ नीचे चले जाने" की भी बात कही थी।

ट्रंप ने एक अन्य ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा, "हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके टैरिफ बहुत अधिक हैं, दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक भारत का टैफिर है।"

सम्पादकीय

अमेरिका ने दुनिया में हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नई इबारत। आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है। बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूव्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है। वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है। बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यत्ति को सिहासन पर बैठा दिया। यूव्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2ट्ट तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गई। अमेरिका की वुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5ट्ट की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है।

भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पाटा के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30ट्ट, अंगोला पर 15ट्ट, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हज्रेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, वंबोडिया पर 19, वैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉव्रे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, स्रबिया पर 35, दक्षिण अप्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, टूनीशिया पर 25, टका पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर गुजरात में 6 से 8 अगस्त के दौरान संस्कृत गौरव यात्रा, संभाषण दिवस और साहित्य दिवस मनाया जाएगा

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड ने संस्कृत के सर्वांगीण विकास के लिए ,योजना पंचकम, के अंतर्गत पांच विशिष्ट योजनाएं लागू कीं

संस्कृत संवर्धन सहायता योजना के अंतर्गत संस्कृत के प्रचार हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए संस्थाओं, शोधकताओं और शिक्षकों को मिलेगी वित्तीय सहायता

गांधीनगर, (जीएनएस)। हमारे यहां संस्कृत के बारे में कहा गया है, ,अमृतम् संस्कृतम् मित्र, सरसम् सरलम् वचः। एकता मूलकम् राष्ट्रे, ज्ञान विज्ञान पोषकम्।, अर्थात, हमारी संस्कृत भाषा सरस भी है, और सरल भी। संस्कृत अपने विचारों, अपने साहित्य के माध्यम से ज्ञान, विज्ञान और राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस उक्ति का उल्लेख करते हुए इस बात पर बल दिया है कि अधिक से अधिक लोग संस्कृत पढ़ें और उसका अध्ययन करें। दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा कही जाने वाली संस्कृत भाषा भारत की ऋषि परंपरा, दर्शन, अध्यात्म और सांस्कृतिक चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है, अपितु यह जीवन दृष्टि है, जो मनुष्य के सर्वांगीण विकास में मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है।

उल्लेखनीय है कि भारत में प्रति वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा (रक्षाबंधन पर्व) के दिन संस्कृत दिवस मनाया जाता है और इसके प्रचार-प्रसार के लिए पूरे भारत में संस्कृत सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष 9 अगस्त को विश्व संस्कृत दिवस है, ऐसे में 6 से 12 अगस्त 2025 के दौरान संस्कृत सप्ताह मनाया जाएगा। गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार द्वारा संस्कृत सप्ताह के अवसर पर तीन दिवसीय विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा।

6 से 8 अगस्त तक संस्कृत गौरव यात्रा, संभाषण दिवस और साहित्य दिवस का आयोजन

वर्ष 1969 में भारत सरकार और संस्कृत संस्थाओं के सहयोग से संस्कृत दिवस मनाने की शुरूआत हुई थी। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना, इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और नई पीढ़ी को इस प्राचीन भाषा के साथ जोड़ना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की ओर से राज्य में 6 से 8 अगस्त 2025 के दौरान तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पहले दिन संस्कृत गौरव यात्रा, दूसरे दिन संस्कृत संभाषण दिवस और तीसरे दिन संस्कृत साहित्य दिवस मनाया जाएगा।

संस्कृत गौरव यात्रा का आयोजन जिला एवं राज्य स्तर पर होगा, जिसके अंतर्गत संस्कृत ज्ञान विरासत की झांकियों की प्रदर्शनी, संस्कृत साहित्य कृतियों, संस्कृत गान और नारों के साथ विद्यार्थी, शिक्षक, स्कूल, संस्कृत के विद्वान, कवि और लेखक यात्रा में शामिल होंगे। दूसरे दिन संस्कृत संभाषण दिवस पर मुख्यमंत्री सहित जिला और राज्य स्तर पर अधिकारी एवं मंत्री संस्कृत भाषा में संदेश प्रेषित करेंगे। तीसरे दिन संस्कृत साहित्य दिवस पर पूरे राज्य में विभिन्न स्तरों पर वेद पूजन, व्यास पूजन, ऋषि पूजन, आचार्य पूजन, संस्कृत साहित्य से संबंधित सभाओं और व्याख्यानों का आयोजन कर समाज में संस्कृत साहित्य का गौरव स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

संस्कृत संवर्धन के माध्यम से संस्कृति का प्रसार

गुजरात सरकार के ,गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड, की ओर से राज्य में संस्कृत के सर्वांगीण विकास के लिए ,योजना पंचकम, (पांच योजनाओं का समूह या संग्रह) के अंतर्गत पांच विशिष्ट योजनाएं- संस्कृत सप्ताहोत्सव, संस्कृत संवर्धन सहायता योजना, संस्कृत प्रोत्साहन योजना, श्रीमद् भगवद गीता योजना तथा शत सुभाषित कंठ पाठ योजना लागू की गई हैं।

संस्कृत सप्ताहोत्सव योजना के अंतर्गत पूरे राज्य में उत्साहपूर्वक संस्कृत सप्ताह और दिवस मनाने की पहल की जाएगी। संस्कृत संवर्धन सहायता योजना के अंतर्गत संस्कृत के प्रचार हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए संस्थाओं, शोधकताओं और शिक्षकों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

संस्कृत प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत माध्यमिक स्कूलों में संस्कृत विषय के साथ पढ़ाई के लिए विद्यार्थी, शिक्षक और विद्यालयों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। श्रीमद् भगवद गीता योजना के अंतर्गत राज्य के बच्चे-बड़ों, सभी लोगों को ,श्रीमद् भगवद गीता, की मदद से जीवन जीने की सही दिशा पर चिंतन करने और गीता कंठस्थ करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। शत सुभाषित कंठ पाठ योजना के अंतर्गत नैतिक मूल्यों के विकास के लिए 100 सुभाषित कंठस्थ करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की ओर से शुरू की गई ,योजना पंचकम, का लक्ष्य संस्कृत भाषा का संरक्षण करना, इसकी लोकप्रियता बढ़ाना और भावी पीढ़ियों को राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ना है।

संस्कृत भाषा को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार प्रतिबद्ध

संस्कृत दिवस मनाने के लिए श्रावण पूर्णिमा का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि प्राचीन भारत में इसी दिन शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होती थी। विद्यार्थी इसी दिन से शास्त्रों का अध्ययन शुरू करते थे। आज भी वेदों का अध्ययन का प्रारंभ श्रावणी पूर्णिमा से होता है। इस दिन को ऋषि-मुनियों की परंपरा और वैदिक ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। संस्कृत दिवस और संस्कृत सप्ताह भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग है। केंद्र और राज्य सरकार आधुनिक समय में टेक्नोलॉजी और शिक्षा के माध्यम से संस्कृत को और अधिक लोकप्रिय एवं सुलभ बनाने के प्रयास कर रही हैं।

बाढ़ आपदा, सीएम मोहन यादव की संवेदनशीलता और तत्परता की ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की सराहना

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में हाल की भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तत्परता और संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा दी है। केंद्रीय मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 4 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा, "संकट की इस घड़ी में डॉ. यादव ने जनजीवन की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

यह सच्चे नेतृत्व की पहचान है। इस कठिन आपदा की घड़ी में, मैं पूरी संवेदना, समर्पण और संकल्प के साथ अपने सभी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा हूं।" यह खबर मध्य प्रदेश में बाढ़ की स्थिति, राहत कार्यों, और प्रशासन की तत्परता पर विस्तार से प्रकाश डालती है।

बाढ़ की स्थितिः जलवायु परिवर्तन और भारी बारिश का कहर

मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन में सामान्य से 74% अधिक बारिश दर्ज की गई है, जिसने कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा किए। ग्वालियर, छतरपुर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, और टीकमगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया, जहां 4.5 इंच तक बारिश की संभावना है। रायसेन में बेतवा नदी और नर्मदापुरम में नर्मदा नदी उफान पर हैं, जबकि चित्रकूट में मंदाकिनी नदी ने रामघाट की 100 से अधिक दुकानों को जलमग्न कर दिया।

सिंधिया ने बताया कि जलवायु परिवर्तन और भारी वर्षा के कारण सिंध नदी और अन्य जल स्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे गुना, शिवपुरी, और अशोकनगर में भारी क्षति हुई। पिछले सप्ताह रायसेन, जबलपुर, रीवा, और सागर संभाग में बाढ़ ने खेत, मंदिर, और पुलों को डुबो दिया था।

मुख्यमंत्री की तत्परताः राहत कार्यों में तेजी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाढ़ की स्थिति पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासन को पूरी तरह सक्रिय कर दिया। मुरैना, गुना, शिवपुरी, रीवा, रायसेन, दमोह और अशोकनगर जैसे अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों से लगभग 2,900 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।"

सिंधिया ने बताया कि 27 जुलाई की रात आपदा की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ने गुना, शिवपुरी, और अशोकनगर के कलेक्टरों को तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने हर चार घंटे में स्थिति की समीक्षा की और स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

बाढ़ की स्थिति पर उट मोहन यादव ने कहा, 'मैंने मुख्य सचिव और उच्च के साथ स्टेट कमांड सेंटर से स्थिति की निगरानी की। हमारे सैनिकों ने बाढ़ के दौरान शानदार काम किया।'" राहत कार्यों में रउच्च होमगार्ड, और भारतीय सेना की टीमें तैनात की गईं।

सिंधिया की प्रशंसाः "सच्चे नेतृत्व की पहचान"

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 4 अगस्त 2025 को गुना और शिवपुरी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का मुख्यमंत्री के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, "27 जुलाई की रात मुख्यमंत्री ने सुबह 4 बजे तक लगातार फोन पर स्थिति की निगरानी की। यह उनकी संवेदनशीलता और तत्परता को दशार्ता है।" @JM_Scindia ने ट्वीट किया, "आपदा की उस रात मुख्यमंत्री जी ने हर घंटे हालात की जानकारी ली। यही तो सच्चे नेतृत्व की पहचान है।"

सिंधिया ने जोर देकर कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनहानि को रोकना था, और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासन ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर स्थापित किए गए, और लोगों को भोजन, पानी, और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। @the_hindu ने 31 जुलाई 2025 को बताया कि मध्य प्रदेश में 2,900 लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया।

बाढ़ का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

बाढ़ और भारी बारिश ने मध्य प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। गुना, शिवपुरी, और अशोकनगर में सड़कों, पुलों, और खेतों को नुकसान पहुंचा है। टीकमगढ़ में पूनौल नाले के उफान के कारण झांसी हाईवे पर ट्रैफिक बंद करना पड़ा। रायसेन में सांची-विदिशा मार्ग और महामाया चौक जलमग्न हो गए। स्थानीय किसान रमेश ठाकुर ने कहा, "हमारी धान की फसल बर्बाद हो गई। सरकार को जल्द मुआवजा देना चाहिए।"

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान ने रामघाट की 100 से अधिक दुकानों को जलमग्न कर दिया। @news18.com ने 3 अगस्त 2025 को बताया कि मऊ तहसील के 20 गांवों का संपर्क टूट गया, और लोग नावों के सहारे आवागमन कर रहे हैं। दुकानदार मुन्नी देवी ने कहा, "हमारा सारा सामान बर्बाद हो गया। अब दोबारा दुकान शुरू करने के लिए पैसे कहां से लाएं?"

सियासी प्रतिक्रियाएं

बाढ़ और राहत कार्यों को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। "इखढ सरकार में बाढ़ से एमपी बेहाल। नर्मदा, बेतवा, और चंबल उफान पर, लेकिन राहत कार्य अपर्याप्त।" जवाब में सेना और रउच्च तैनात हैं।" सामाजिक कार्यकर्ता रीना शर्मा ने कहा, "हर साल बाढ़ आती है, लेकिन डैम प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में सुधार नहीं होता। सरकार को दीर्घकालिक योजना बनानी चाहिए।"

जलवायु परिवर्तनः बाढ़ का मुख्य कारण

सिंधिया और मौसम विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन को बाढ़ का प्रमुख कारण बताया। @bhOskOr.com ने 1 अगस्त 2025 को बताया कि मध्य प्रदेश में इस साल 511 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 300.7 मिमी से कहीं अधिक है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा, "बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव और ट्रफ लाइन के कारण बारिश का दौर जारी रहेगा।" पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. संजय वर्मा ने सुझाव दिया, "डैम प्रबंधन, नदी तटों की सफाई, और जलवायु-अनुकूल नीतियां अपनानी होंगी।"

मध्य प्रदेश में अन्य आपदाएं

मध्य प्रदेश में बाढ़ के अलावा अन्य आपदाएं भी सुर्खियों में हैं। सागर के देवरी में शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में कोबरा सांपों का आतंक है, जहां 15 दिनों में 25 सांप पकड़े गए हैं। 1,100 छात्राएं दहशत में हैं, और 5 क्लासरूम बंद कर दिए गए हैं। नर्मदापुरम जिला अस्पताल में 2-3 अगस्त की रात साढ़े चार घंटे बिजली गुल रहने से प्रसूताएं और नवजात परेशान रहे।

चुनौतियां और सवाल

यह आपदा कई सवाल खड़े करती हैः

डैम प्रबंधनः ओवरफ्लो डैमों से पानी छोड़ने की प्रक्रिया को और पारदर्शी क्यों नहीं बनाया गया?

राहत कार्यों की गतिः क्या सभी प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त राहत सामग्री और चिकित्सा सुविधाएं पहुंच रही हैं?

बुनियादी ढांचाः सड़कों और पुलों की मरम्मत के लिए दीर्घकालिक योजना कब बनेगी?

कृषि नुकसानः बाढ़ से प्रभावित किसानों को मुआवजा कब और कैसे मिलेगा?

'क्रिकेट किसी के लिए नहीं रुकता,' इरफान पठान ने बनाया कोहली को निशाना? भड़के फैन्स ने लगाई क्लास

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में टीम इंडिया की करीबी जीत की चारों तरफ तारीफ देखने को मिल रही है। टीम इंडिया के लिए अंतिम विकेट मोहम्मद सिराज ने लिया और हर खिलाड़ी जश्न में डूब गया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने इंग्लैंड को सीरीज नहीं जीतने दी और यह 2-2 की बराबरी पर समाप्त हो गई।

ओवल में जीत के बाद क्रिकेट जगत के पूर्व सितारों की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इरफान पठान ने भी मैच को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी लेकिन उन्होंने कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद कोहली के फैन्स भड़क उठे और उनको कमेंट्स में जाकर बुरा-भला कहने लगे।

इरफान पठान ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि इस सीरीज ने एक बार फिर सबको याद दिला दिया, क्रिकेट किसी के लिए नहीं रुकता! अब इरफान पठान ने किसके लिए यह

कहा, इसका पता नहीं चला लेकिन हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए इसे कोहली से जोड़ा जा रहा है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने रिटायरमेंट लिया है। कहा जा रहा था कि कोहली और रोहित के नहीं होने से टीम इंडिया कमजोर दिखाई दे रही है लेकिन इंग्लैंड में वैसा कुछ नहीं हुआ। शायद पठान ने भी उसी सन्दर्भ में कहा होगा कि गेम चलता रहता है, किसी प्लेयर के जाने से फर्क नहीं पड़ता।

आईपीएल में जब इरफान पठान को कमेंट्री पैनल से बाहर किया गया था, उस समय भी कोहली और पठान के रिश्तों की बात उठी थी। उस दौरान सामने आया था कि कुछ सीनियरों को कमेंट्री करते हुए पठान ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कड़वी बातें कही थी। आलोचना करने से खिलाड़ी नाखुश हुए थे, उनमें विराट कोहली का नाम भी था। हालांकि इरफान पठान ने कभी इन बातों का कोई जिक्र नहीं किया।

ओवल टेस्ट में टीम इंडिया की जीत के बाद कोहली ने भी एक्स पर प्रतिक्रिया दी। रोहित शर्मा तो ओवल में मुकाबला देखने भी गए थे। कोहली ने लिखा कि टीम इंडिया की शानदार जीत! सिराज और प्रसिद्ध के जज्बे और हिम्मत ने इस शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई। खासतौर पर सिराज का जिक्र जरूरी है, वह हमेशा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक देने को तैयार रहते हैं। उनके लिए बेहद खुशी है।

बेरोजगारी से बिजनेस तक, बांका के युवाओं की प्रेरक उड़ान

बिहार में मुख्यमंत्री की उद्यमी योजनाएं युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं, आर्थिक स्वतंत्रता और स्थानीय विकास को बढ़ावा दे रही हैं।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजनाएं ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन कर सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में अहम भूमिका निभा रही हैं। राज्य सरकार के उद्योग विभाग की योजनाओं से जिले के कई युवाओं और महिलाओं ने न केवल अपने लिए रोजगार के अवसर सृजित किए हैं, बल्कि कई अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के द्वार खोले हैं। बांका जिले की ये प्रेरणादायक कहानियां राज्य में उद्यमिता विकास की मजबूत मिसाल पेश कर रही हैं।

बांका के रहने वाले मंतोष कुमार ने रेडीमेड गारमेंट्स का व्यवसाय शुरू किया और 10 लाख रुपये की सहायता से इसे आगे बढ़ाया। आज वे 8 लोगों को सीधा रोजगार दे रहे हैं और 20 परिवारों का नियोजन कर रहे हैं। उनका टर्नओवर 50 लाख रुपये तक पहुंच चुका है।

इसी तरह मुकेश पहले एक शिक्षित बेरोजगार थे और बच्चों को होम ट्यूशन दिया करते थे। लेकिन मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत उन्हें 9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिली, जिससे उन्होंने आइसक्रीम उत्पादन की इकाई स्थापित की। आज वे एक सफल उद्यमी हैं और आठ अन्य लोगों को रोजगार दे रहे हैं। उनकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये हो चुकी है। वे कहते हैं, "अब मैं एक कंपनी का मालिक हूं और इसके लिए उद्योग विभाग का आभारी हूं।"

रंजीत कुमार सिंह ने नोटबुक निर्माण का काम शुरू किया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से प्राप्त 10 लाख रुपये की सहायता से उन्होंने अपनी इकाई स्थापित की और दो परिवारों को नियमित रूप से रोजगार उपलब्ध कराया। उनका टर्नओवर भी 10 लाख रुपये के करीब पहुंच गया है।

महिलाओं में भी इस योजना से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम हो रही है। भाग्यश्री को मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने बेकरी उत्पादन की इकाई स्थापित की। आज वे आठ लोगों को रोजगार दे रही हैं और सात परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं। इसी तरह, रूबी देवी ने पोहा/चूड़ा उत्पादन के लिए 10 लाख रुपये की सहायता प्राप्त की और अपने व्यवसाय से आठ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया। उनका वार्षिक टर्नओवर 12 लाख रुपये है और पांच परिवारों को वे सीधे तौर पर आजीविका का साधन उपलब्ध करा रही हैं।

सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें जिलाधिकारी : एस सिद्धार्थ

(जीएनएस)।

बिहार में हाल ही में हुए शिक्षक तबादलों के परिणामस्वरूप कई सरकारी स्कूल शिक्षक बिना रह गए हैं। शिक्षा विभाग इस संकट से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह कर रहा है।

बिहार में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है. इस वजह से कई ऐसे सरकारी विद्यालय हैं, जो शिक्षक विहीन हो गए हैं। वहां से सभी शिक्षकों ने अपना स्थानांतरण करा लिया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने समीक्षा के क्रम में पाया कि राज्य के कुल 29 विद्यालयों में एक भी शिक्षक कार्यरत्त नहीं हैं। राज्य में कुल 354 ऐसे विद्यालय हैं जहां मात्र एक शिक्षक हैं। शिक्षा विभाग ने जिलाधिकारियों से कहा है कि इन स्कूलों में तत्काल शिक्षकों को प्रतिनियुक्त कर बच्चों की

पढ़ाई को व्यवस्थित किया जाए।

दरअसल राज्य में बड़े पैमाने पर हुए शिक्षकों के स्थानांतरण से राज्य के कई सरकारी विद्यालय बिना शिक्षक के हो गए हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने अपनी समीक्षा में पाया है कि विशेष परिस्थितियों में हुए स्थानांतरण-पदस्थापन की कार्रवाई से कुछ विद्यालय पूरी तरह शिक्षक विहीन हो गए हैं और कतिपय स्कूलों में केवल एक या दो शिक्षक ही रह गए हैं। साथ ही कुछ विद्यालयों में छात्र-शिक्षक का अनुपात भी 40 से अधिक पाया गया है। अपर मुख्य सचिव ने सभी जिला पदाधिकारियों को लिखे अपने पत्र में कहा है कि प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम तीन शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए है। साथ ही मध्य विद्यालयों एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की तैनात्ती की जाए। उन्होने जिलाधिकारियों को अपने स्तर से इसकी समीक्षा कर ऐसे स्कूलों में तत्काल अस्थाई प्रतिनियुक्ति के माध्यम से शिक्षक विहीन विद्यालयों या जहां शिक्षक कम हैं, उसमें शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल एक्प्रेस 6 से 13 अगस्त तक ऐसे यात्रियों की राह बनाएगी आसान, देखें डिटेल

(जीएनएस)।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05575/05576 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन सहरसा से 06 एवं 13 अगस्त, 2025 बुधवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 05 एवं 12 अगस्त, 2025 मंगलवार को 02 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

05575 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी 06 एवं 13 अगस्त, 2025 बुधवार को सहरसा से 20.00 बजे प्रस्थान कर गढ़ बरुआरी से 20.22 बजे, सुपौल से 20.47 बजे, सरायगढ़ से 21.45 बजे, निर्मली से 22.02 बजे, घोघरडीहा से 22.15 बजे, झंझारपुर से 22.37 बजे, सकरी से 23.02 बजे, दूसरे दिन दरभंगा से 00.05 बजे, जनकपुर रोड से 00.47 बजे, सीतामढ़ी से 01.35 बजे, बैरगनिया से 02.12 बजे, रक्सौल से 03.20 बजे, नरकटियागंज से 04.30 बजे, बगहा से 05.02 बजे, कप्तानगंज से 08.22 बजे, गोरखपुर से 09.50 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोंडा से 12.15 बजे, सीतापुर से 15.45 बजे, शाहजहाँपुर से 18.00 बजे, बरेली से 19.05 बजे, मुरादाबाद से 21.25 बजे तथा गाजियाबाद से 23.45 बजे छूटकर तीसरे दिन आनन्द विहार टर्मिनल 00.30 बजे पहुँचेगी।

वापसी यात्रा में, 05576 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष गाड़ी 05 एवं 12 अगस्त, 2025 मंगलवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 05.15 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 05.50 बजे, मुरादाबाद से 08.35 बजे, बरेली से 10.12 बजे, शाहजहाँपुर से 11.22 बजे, सीतापुर से 14.15 बजे, गोंडा से 16.30 बजे, बस्ती से 17.50 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, कप्तानगंज से 20.47 बजे, बगहा से 23.20 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.20 बजे, रक्सौल से 01.15 बजे, बैरगनिया से 02.02 बजे, सीतामढ़ी से 02.45 बजे, जनकपुर रोड से 03.17 बजे, दरभंगा से 05.20 बजे, सकरी से 06.02 बजे, झंझारपुर से 06.27 बजे, घोघरडीहा से 06.47 बजे, निर्मली से 08.05 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे तथा गढ़ बरुआरी से 09.47 बजे छूटकर सहरसा से 10.30 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान के 02 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 18 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे पर वाहनों के लिए दहेज तक जाना सरल बनेगा

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भरूच जिले में 400 करोड़ रुपये की लागत से 46 किलोमीटर के मार्ग के फोरलेन और मजबूतीकरण का शिलान्यास किया

भरूच में एक ही दिन में एक साथ 637 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण - शिलान्यास का विकास उत्सव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं दूरदर्शी नेतृत्व में देश में विकास की राजनीति के माध्यम से देश में बड़ा परिवर्तन आया है - गुजरात के विकास की गति दोगुनी हो गई हैः मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्रीः-

- प्रधानमंत्री ने जी.डी.पी.के हर क्षेत्र को सशक्त करने के लिए कदम उठाए हैं
- प्रधानमंत्री के स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद, वोकल फॉर लोकल का उद्देश्य स्वदेशी-स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है
- डबल इंजन सरकार के प्रयासों से भरूच-अंकलेश्वर-झघडीया-दहेज का पूरा क्षेत्र इंडस्ट्रियल टाउन्स के रूप में विकसित हुआ है

गांधीनगर, 04 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भरूच जिले में आमोद-रोजा-टंकरिया-मुलेर के 46 किलोमीटर मार्ग का 400 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से फोरलेन और मजबूतीकरण के कार्य का ई-शिलान्यास भरूच में संपन्न करवाया।

इस रोड के फोरलेन होने के परिणामस्वरूप वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे पर वाहनों के लिए भविष्य में दहेज तक जाना सरल होगा और यातायात का भार भी कम हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने भरुच जिला प्रशासन द्वारा आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास विकास उत्सव में एक ही दिन में जिले के नागरिकों को कुल 637 करोड़ रुपये के 34 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

इन विकास कार्यों में रोड कनेक्टिविटी और मार्ग सुधार कार्य के लिए 576 करोड़ रुपये की लागत के कार्यों का समावेश है। इसके अलावा, भरूच जिले को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तालुका खेल परिसर, स्कूल कक्ष और भूमिगत सीवरेज योजना के कार्यों की भी सौगात दी गई है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि भरूच को मिले इन विकास कार्यों से लोगों को इज ऑफ लिविंग में बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व मिले तो विकास की राजनीति के माध्यम से किस प्रकार के बड़े विकासशील परिवर्तन लाए जा सकते हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई के नेतृत्व में देश अनुभव कर रहा है।

इस संदर्भ में, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जीडीपी के हर क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए वोकल फॉर लोकल के जरिए स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ाने की भी अपील की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में देश में अनेक सुधार हुए हैं और विकास के परिणाम देखकर लोगों का श्री नरेन्द्र मोदी पर विश्वास भी लगातार बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोग ईमानदारी से टैक्स का भुगतान कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि इस टैक्स के पैसे का उपयोग देश के विकास के लिए किया जाएगा।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान से आईटी और सेवा क्षेत्रों में विकास की गति तेज हुई है और देश की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तैयार है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के ढाई दशकों के मार्गदर्शक नेतृत्व में गुजरात के विकास की गति दोगुनी हो गई है। डबल इंजन सरकार ने भरूच-अंकलेश्वर-झगड़िया-दहेज का पूरा क्षेत्र इंडस्ट्रियल सिटी और टाउन्स के रूप में विकसित किया है।

इतना ही नहीं, भरूच को देश की केमिकल कैपिटल के रूप में ख्याति प्राप्त है और इस जिले के उद्योग देश के कई राज्यों के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जंबूसर के बल्क ड्रग पार्क, दहेज पी.सी.पी.आई.आर., एल.एन.जी. टर्मिनल, तथा वालिया के ट्राइबल औद्योगिक पार्क और सी फूड पार्क से भरूच के आर्थिक और औद्योगिक विकास को बल मिला है।

पीके ने डोमिसाइल नीति लागू करने पर नीतीश सरकार की मंशा पर उठाए सवाल, कही ये बात

(जीएनएस)।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (ढ़ङ) ने रविवार को बिहार बदलाव यात्रा के तहत कैमूर जिले के चैनपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखे हमले किए। ढ़ङ ने डोमिसाइल नीति को लेकर नीतीश सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और इसे चुनावी "छलावा" करार दिया। साथ ही, उन्होंने दो-दो वोटर आईडी कार्ड मामले में तेजस्वी यादव पर तंज कसा।

किसान इंटर कॉलेज मैदान में जुटी भारी भीड़ को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, "डोमिसाइल लागू होना जनता की जीत है। लेकिन सवाल है कि 20 साल में ये काम क्यों नहीं हुआ? अब जब सरकार को लगने लगा है कि जनता बदलाव का मन बना चुकी है, तो बुजुर्गों की पेंशन बढ़ा रहे हैं, डोमिसाइल लागू कर रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता अब भ्रम में नहीं आने वाली।"

पीके ने साफ कहा कि यह चुनाव लालू-नीतीश जैसे पुराने चेहरों को हटाने का है और बिहार की जनता अब अपने बच्चों का भविष्य देखकर वोट करने वाली है, न कि किसी नेता का चेहरा देखकर। पत्रकारों के सवालों के जवाब में प्रशांत किशोर ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, "कुछ दिन पहले तेजस्वी कह रहे थे कि उनके पास वोटर आईडी नहीं है, नाम भी कट गया है।

अब चुनाव आयोग बता रहा है कि उनके पास दो-दो वोटर कार्ड हैं। अब ये मामला तेजस्वी और आयोग के बीच का है, लेकिन बिहार की जनता जानना चाहती है कि उनके बच्चों की पढ़ाई कब सुधरेगी, पलायन कब रुकेगा।"

जनता से अपीलः "बच्चों का चेहरा देखकर वोट करिए"

जनसभा में पीके ने भावुक अपील करते हुए कहा, "इस बार वोट देते वक्त नेता का चेहरा नहीं, अपने बच्चों का चेहरा याद रखिए। जिन नेताओं ने आपको और आपके बच्चों को लूटा है - चाहे वे लालू हों, नीतीश हों या मोदी - उन सभी को इस बार मौका मत दीजिए।"

पीके ने यह भी कहा कि इस साल बिहार की बदहाली की "आखिरी दिवाली और छठ" होगी।

मोहम्मद सिराज से प्रसिद्ध कृष्णा तक, भारत-इंग्लैंड सीरीज में सर्वाधिक विकेट वाले 5 गेंदबाज

(जीएनएस)।

लंदन के ओवल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया अंतिम मैच पांचवें दिन के पहले सेशन में बेहद रोमांचक अंदाज में समाप्त हुआ। दोनों टीमों की तरफ से जोर लगाया गया और अंततः टीम इंडिया ने जीत दर्ज करते हुए इंग्लैंड का सपना तोड़ दिया। टीम इंडिया ने सीरीज 2-2 पर ड्रॉ करा दी। शुभमन गिल की कप्तानी में पहली सीरीज सफल रही।

टीम इंडिया के गेंदबाजों ने इस सीरीज में अपना पूरा दमखम लगाते हुए इंग्लिश बल्लेबाजों के नाक में दम करते रहे। दोनों टीमों की तरफ से कुछ गेंदबाज अपना बेस्ट देने का प्रयास करते हुए आगे बढे। इनमें से टॉप पांच गेंदबाजों के बारे में आपको जानना चाहिए।

मोहम्मद सिराजः मियां मैजिक करने वाले मोहम्मद सिराज इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं। सिराज ने 5 मैचों में कुल 23 विकेट अपने नाम किये। इस दौरान उन्होंने दो मौकों पर पंजा मारा। एक बार चार विकेट झटके। सिराज ने ओवल टेस्ट में अंतिम पारी के दौरान पंजा मारकर भारत को जीत दिलाई।

जोश टंगः दूसरे स्थान पर मौजूद इस इंग्लिश गेंदबाज ने पूरे मैच नहीं खेले। वह महज तीन टेस्ट मैचों में खेलने के लिए उतरे थे लेकिन टॉप दो में अपना नाम दर्ज करा लिया। जोश टंग ने 3 मैचों में 19 विकेट अपने नाम किये। एक बार 5 और एक बार 4 विकेट झटके।

बेन स्टोक्सः इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इस खास सूची में तीसरे स्थान पर हैं। बेन स्टोक्स ने कुल 4 मैचों में 17 विकेट हासिल किये। वह पांचवें टेस्ट से बाहर थे और इंग्लैंड को इसमें हार का सामना करना पड़ा। स्टोक्स ने एक बार पंजा मारा और एक मौके पर 4 विकेट झटके।

जसप्रीत बुमराहः भारतीय टीम के तूफानी गेंदबाज बुमराह ने इस सीरीज में महज 3 ही मुकाबले खेले थे। इन तीन मैचों में वह 14 विकेट लेने में सफल रहे और इस लिस्ट में चौथा स्थान हासिल किया। बुमराह ने दो बार पंजा मारा था। मजेदार बात तो यह है कि जिन दो मैचों में वह नहीं खेले थे, उनमें ही भारत ने जीत दर्ज की।

प्रसिद्ध कृष्णाः भारत के इस तेज गेंदबाज ने टीम का अच्छा सहयोग किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने धमाकेदार अंदाज में खेलते हुए ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 4 विकेट लेकर इंग्लैंड की हार तय कर दी। उन्होंने 3 मैच खेलते हुए इस सीरीज में कुल 14 विकेट झटके।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने धोलेरा-भावनगर कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट पर भरी सभा में नक्शा निकाल त्वरित निर्णय लिया

भावनगर के दौरे पर आए, केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव जी ने महत्वपूर्ण धोलेरा-भावनगर रेल कनेक्टिविटी परियोजना पर चर्चा की।

माननीय मंत्रिजी जो अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और दक्षता के लिए जाने जाते हैं, ने संवाद के दौरान मौके पर ही नक्शा निकाल कर देखा तथा वहीं और उसी समय परियोजना को अंतिम रूप दे दिया, जो तत्परता और प्रतिबद्धता का एक अभूतपूर्व स्तर दशार्ता है।

मंत्री जी का यह त्वरित निर्णय धोलेरा-भावनगर कनेक्टिविटी परियोजना की उनकी तत्काल समीक्षा और 'विकसित भारत' के लिए महत्वपूर्ण विकास पहलों में तेजी लाने के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है।

धोलेरा और भावनगर के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, इसकी लॉजिस्टिक दक्षता और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के सरकार के संकल्प के बारे में एक मजबूत संदेश देता है।

- विकसित भारत संवादः भावनगर के मुद्दों और विकास पर चर्चा

विकसित भारत संवाद के तहत भावनगर के स्थानीय उद्योगपतियों और नागरिकों ने मंत्री जी के साथ शहर की समस्याओं और बुनियादी ढांचे की जरूरतों पर चर्चा की।

FTR (फ्री ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) से जुड़े एक सवाल के जवाब में मंत्रीजी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऋफसे संबंधित कोई समस्या नहीं होगी।

उन्होंने भावनगर में एक कंटेनर पोर्ट के विकास की भी घोषणा की, जो क्षेत्र के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जब भावनगर में STPI (सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया) के माध्यम से एक आईटी पार्क स्थापित करने की मांग उठाई गई, तो मंत्री ने तुरंत संबंधित अधिकारी से फोन पर बात की और इस सुविधा को मंजूरी दिलाने के लिए सकारात्मक रुख अपनाया।

संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान की स्मारिका का महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार द्वारा विमोचन

मुंबई, 4 अगस्त। स्कूली विद्यार्थियों को नैतिक जीवन एवं चरित्र निर्माण का पाठ पढ़ाने वाली देश की प्रमुख सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था "संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान" की नव प्रकाशित स्मारिका का विमोचन रविवार, 3 अगस्त, 2025 की शाम आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा अन्य अतिथियों के साथ किया गया।

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित स्मारिका के विमोचन समारोह को सम्बोधित करते हुए तथा मंच पर विभिन्न अतिथियों के साथ स्मारिका का विमोचन करते हुए।

यह भव्य समारोह मुंबई के प्रभादेवी स्थित यशवंत भवन सभागार में बड़ी संख्या में आये शिक्षकों और नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस समारोह में सुप्रसिद्ध उद्योगपति डॉ. अजीत गुंजीकर, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री गोविंद शेंडे, मुंबई क्षेत्र के धर्म पुंज विभाग प्रमुख संजय मुद्राळे, प्रतिष्ठान के संस्थापक न्यासी मोहन सालेकर सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री आशीष शेलार ने कहा कि आज नाबालिगों में आपराधिक प्रवृत्ति, नशाखोरी, बड़ों के प्रति अनादर, मन की चंचलता के अलावा संयम और सहनशीलता की कमी प्रबल रूप से देखी जा रही है। दूसरी ओर, हमारी पारिवारिक व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही है तथा आज के स्कूल केवल परीक्षार्थी पैदा करने वाले कारखाने बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में बच्चों के मन में अच्छे संस्कार कौन सींचेगा ? उन्होंने कहा कि "संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान" द्वारा हमारे प्राचीन ग्रंथों की कहानियों की मदद से स्कूली छात्रों को जीवन के नैतिक सबक प्रदान करके इस समस्या का समाधान करने के सफल प्रयासों का मैं तहे दिल से स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल संचालकों और समाज के संवेदनशील लोगों को इस प्रतिष्ठान द्वारा किये जा रहे राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण कार्यों का समर्थन करना चाहिये। उन्होंने कहा कि इस संस्था ने अपना कार्य पूरी लगन और ईमानदारी से जारी रखा है। अब इस कार्य को सुदृढ़ करने की ज़िम्मेदारी महाराष्ट्र सरकार की है और मैं आने वाले दिनों में उस ज़िम्मेदारी को अवश्य पूरा करूंगा। उन्होंने यह भी ठोस आश्वासन दिया कि वे इस पहल को सरकारी स्तर पर सभी स्कूलों तक पहुँचाने का कार्य सुनिश्चित करेंगे। प्रतिष्ठान के समन्वयक गौरव कुलकर्णी ने विभिन्न पहलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिष्ठान पिछले 22 वर्षों से स्कूली विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों की शिक्षा देने का काम कर रहा है। इसके अंतर्गत कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों को रामायण, महाभारत, संतों की कहानियों और क्रांतिकारियों के जीवन-चरित्रों के आधार पर नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने का प्रयास निरंतर किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिष्ठान की जीवन शिक्षण परियोजना देश के 23 राज्यों में कार्यरत है। इस वर्ष महाराष्ट्र के चौदह सौ विद्यालयों के एक लाख पचास हजार विद्यार्थी इस पहल में शामिल हुए हैं और हाल ही में गोवा सरकार ने अपने सभी विद्यालयों में यह पहल शुरू करने की स्वीकृति दी है। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के वरिष्ठ सेवादार दत्ताराम नाईक, अलका गोडबोले, हरबाला शाहा, अविनाश जोशी, शशिकांत देसाई आदि को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही निधि संग्रह में अग्रणी रहीं बीना रेगे, राजश्री माने, कल्पना गायकवाड़, शिवानी सरदेसाई, प्राची उपासनी आदि को विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत गुंजीकर ने विविध उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. अजीत गुंजीकर और गोविंदराव शेंडे ने समयानुकूल मुद्दों पर सम्बोधित किया। समारोह की शुरूआत में निनाद कला पथक के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। समारोह का कुशल मंच संचालन शीतल निकम ने किया, जबकि अतिथियों के स्वागत और परिचय दायित्व का निर्वाह श्रीमती नम्रता पुंडे द्वारा बखूबी सुनिश्चित किया गया। प्रारम्भ में प्रतिष्ठान के संस्थापक न्यासी मोहन सालेकर ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ, तुलसी का पौधा और दुशाला भेंट कर उनका स्वागत किया।

कौन थे राजस्थान के मेजर शैतान सिंह, जिनकी वीरता पर बन रही है फरहान अख्तर की फिल्म ,120 बहादुर, ?

(जीएनएस)।

18 नवंबर 1962 की सुबह, लद्दाख के बफीर्ले रेजांग ला पास पर भारतीय सेना के केवल 120 जवानों ने चीन की लगभग 3000 सैनिकों की विशाल फौज का डटकर सामना किया था। हर ओर मौत बिछी थी, लेकिन भारतीय सैनिक पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे थे। क्योंकि उनके साथ एक ऐसा कमांडर था, जिसने अपने जवानों को सिर्फ लड़ना नहीं, मरते दम तक लड़ना सिखाया था। उनका नाम था मेजर शैतान सिंह भाटी। एक ऐसा योद्धा, जिसने आखिरी सांस तक बंदूक नहीं छोड़ी।

अब भारतीय सेना के इस अद्वितीय शौर्य और बलिदान की अमर कहानी को बड़े पर्दे पर उतारा जा रहा है फिल्म '120 बहादुर' के माध्यम से, जिसमें फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभा रहे हैं। यह सिर्फ एक युद्ध फिल्म नहीं, बल्कि उन 120 वीरों की श्रद्धांजलि है, जिन्होंने रेजांग ला को युद्धभूमि से भारत माता की वीरता की धरती बना दिया।

मेजर शैतान सिंह पर बन रही फिल्म को लेकर दिया गया फरहान अख्तर का हाल ही का इंटरव्यू खूब वायरल हो रहा है, जिसमें फरहान अख्तर कह रहे हैं कि उन्होंने "मेजर शैतान सिंह के रोल के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से भी गहन तैयारी की है।" मेजर शैतान सिंह की बायोपिक '120 बहादुर' में एक्टर के साथ-साथ प्रोड्यूसर की भूमिका में भी फरहान अख्तर नजर आएंगे। फिल्म के डायरेक्टर रजनीश घई हैं, जो खुद आर्मी बैकग्राउंड फैमिली से हैं। फिल्म '120 बहादुर' 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजस्थान के जोधपुर जिले के बनासर गांव में 1 दिसंबर 1924 को जन्मे मेजर शैतान सिंह भाटी न केवल एक वीर सैनिक थे, बल्कि भारतीय सैन्य इतिहास में सर्वोच्च बलिदान और असाधारण नेतृत्व का प्रतीक बन गए। सैन्य पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्मे मेजर शैतान सिंह के पिता लेफ्टिनेंट कर्नल हेम सिंह भाटी प्रथम विश्व युद्ध में फ्रांस में लड़े थे और 'ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' से सम्मानित हुए थे। अपने पिता की वीरता से प्रेरित होकर शैतान सिंह बचपन से ही भारतीय सेना में सेवा देने का सपना देखने लगे।

राजपूत हाई स्कूल, चोपासनी जोधपुर से शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने जसवंत कॉलेज, जोधपुर से स्नातक की डिग्री ली। देश की आजादी के समय वे जोधपुर लांसर्स (हॉर्स स्क्वाड्रन) में शामिल हुए, और रियासत के भारत में विलय के बाद 7 अप्रैल 1949 को उन्हें कुमाऊं रेजिमेंट में स्थानांतरित कर दिया गया।

मेजर शैतान सिंह की बहादुरी, ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें सभी का सम्मान दिलाया। 25 नवंबर 1955 को उन्हें कैप्टन पद पर पदोन्नत किया गया। उन्होंने नागा हिल्स में कार्रवाई के साथ-साथ 1961 के 'ऑपरेशन विजय' में गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में भी भाग लिया। फुटबॉल के शौकीन मेजर शैतान सिंह ने 'सर्विसेज टीम' और 'ड्यूरंड कप' में भी हिस्सा लिया था।

रेजांग ला की वीरगाथाः 18 नवंबर 1962

साल 1962 के भारत-चीन युद्ध में लद्दाख के चुशूल सेक्टर का रेजांग ला पोस्ट भारतीय सेना के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम था। यह क्षेत्र समुद्र तल से लगभग 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित था और दुश्मन की घुसपैठ को रोकने के लिए यह एकमात्र मोर्चा था। 13 कुमाऊं की 'सी कंपनी' की कमान मेजर शैतान सिंह के हाथों में थी, जिसे रेजांग ला की सुरक्षा सौंपी गई थी।

मेजर शैतान सिंह ने अपने सैनिकों को तीन प्लाटूनों में रणनीतिक रूप से तैनात किया। प्लाटून 7 (जेम सुरजा राम), प्लाटून 8 (जेम हरि राम) और प्लाटून 9 (जेम राम चंदर)। हर प्लाटून के पास सीमित संसाधन थे लेकिन आत्मबल असीमित था। 18 नवंबर की रात 2 बजे चीनी सेना ने पहली लहर में हमला बोला, जिसे भारतीय जवानों ने हिम्मत से रोका। इसके बाद एक के बाद एक सात हमले हुए।

सुबह 9 बजे तक हालात बेहद गंभीर हो चुके थे। इसी दौरान, जब मेजर शैतान सिंह अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए फ्रंटलाइन की ओर बढ़ रहे थे, उन्हें चीनी मशीन गन की गोली लग गई। पेट और हाथ में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वे मोर्चा छोड़ने को तैयार नहीं हुए। जब उनके जवान उन्हें बचाने आए तो उन्होंने आदेश दिया। "मुझे छोड़ दो, अपनी जान बचाओ।" और वहीं एक पत्थर के पीछे उन्होंने अपनी अंतिम सांसें लीं।

आखिरी सिपाही और आखिरी गोली तक लड़ने का संकल्प

रेजांग ला पोस्ट को भारतीय तोपों का समर्थन नहीं मिल सका क्योंकि वह क्षेत्र 'क्रेस्टेड' था, यानी आसपास की पहाड़ियों के कारण वहां तोपें काम नहीं कर सकती थीं। बावजूद इसके, मेजर शैतान सिंह और उनकी कंपनी ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। कंपनी के 124 में से 114 शहीद हुए, 5 सैनिक बंदी बना लिए गए जिनमें से एक की मृत्यु बाद में हुई। दुश्मन की चार से पांच गुना अधिक क्षति हुई। चीन का चुशूल एयरफील्ड पर कब्जा करने का मंसूबा विफल हो गया।

तीन महीने बाद जब एक चरवाहे ने रेजांग ला की बर्फ से ढकी घाटी में वीर सपूतों के शव देखे, तो पता चला कि वहां अंतिम सांस तक लड़ने वाले जवान अभी भी वहीं थे।

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, स्थापना परीक्षण और कमीशनिंग कार्य

Sr. DSTE/उत्तर/मुंबई सेंट्रल, दूसरी मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई- 400008 निविदा सूचना क्रमांकः SG_216_2_115_WA, दिनांक 30.07.2025 आमंत्रित करता है। कार्य और स्थानःमुंबई मंडल के उधना जलगाँव सेक्शन में विश्वसनीयता सुधार / दोषपूर्ण. औसत मिडलाइफ सिग्नलिंग गियर्स के प्रतिस्थापन के कार्य के संबंध में सिग्नलिंग वस्तुओं की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य की अनुमानित लागतः रु. 7,11,60,490.35./- ईएमडीः रु. 5,05,800/-। जमा करने की तिथि और समयः दिनांक 01.09.2025 के 15:00 बजे तक। खुलने की तिथि और समयः दिनांक 01.09.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ

0455

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्रावण सोमवार को भरूच जिले के प्राचीन तीर्थक्षेत्र स्तंभेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन किया

गांधीनगर

यात्राधाम विकास बोर्ड ने स्तंभेश्वर में 2 करोड़ रुपए के खर्च से यात्री सुविधाओं का विकास किया

गांधीनगर, 04 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भरूच जिले के प्राचीन तीर्थक्षेत्र स्तंभेश्वर महादेव की श्रद्धापूर्वक की पूजा-अर्चना की और यज्ञ में आहुति दी।

मुख्यमंत्री ने भरूच जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम की शुरूआत स्तंभेश्वर महादेव के दर्शन के साथ की।

उन्होंने भगवान भोलानाथ से सभी के कल्याण और राष्ट्रझराज्य की

निरंतर प्रगति की प्रार्थना कर मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों के साथ बातचीत की। वे मंदिर की ओर से श्रद्धालुओं को किए जा रहे प्रसाद वितरण में भी शामिल हुए।

प्राचीन तीर्थक्षेत्र स्तंभेश्वर महादेव भरूच जिले की जंबुसर तहसील के कंबोई गांव के निकट मही नदी और अरब सागर के संगम स्थल के समीप स्थित है। यहां समुद्र स्वयं दिन में दो बार उच्च ज्वार आने पर मंदिर के शिवलिंग का जलाभिषेक करता है।

इस तीर्थक्षेत्र के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड की ओर से दो करोड़ रुपए के खर्च से मल्टीपर्पज हॉल, पेवर ब्लॉक्स तथा यात्रियों के बैठने के लिए बैंच आदि का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री के साथ इस दौरे के दौरान विधायक श्री डी.के. स्वामी, पूर्व मंत्री श्री छत्रसिंह मोरी सहित कई पदाधिकारी और स्तंभेश्वर महादेव मंदिर के महंत श्री विद्यानंद जी महाराज एवं संतगण मौजूद रहे।

आंकड़े झूठ नहीं बोलते, अर्टिकल 370 हटने पर कितना बदला कश्मीर?

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटे 5 अगस्त 2025 को पूरे छह साल पूरे हो चुके हैं। केंद्र सरकार इसे एक ऐतिहासिक कदम बताती है। सरकार के अनुसार कश्मीर में विकास, निवेश और स्थायी शांति की दिशा में बढ़ाया गया ये निर्णायक कदम था।

सरकार बार-बार दावा करती है कि अब कश्मीर में हालात बेहतर हैं, हिंसा में भारी गिरावट आई है और घाटी विकास के रास्ते पर है लेकिन हाल ही में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला, जिसमें सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला किया गया, इस दावे पर फिर सवाल खड़े कर दिए है। सवाल उठ रहा है क्या कश्मीर सच में बदल रहा है या फिर हिंसा ने केवल अपना रूप और रणनीति बदली है?

अ१३ृ ॊ 370 अु१ॾ्ॅ३ॾल्ल

हालांकि सरकारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में बीते छह वर्षों में सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की कड़ी रणनीति का सकारात्मक असर दिखाई देने लगा है। हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में आतंकवाद से संबंधित मौतों की संख्या में 615 की गिरावट दर्ज की गई है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार की "जीरो टॉलरेंस" नीति और घाटी में लगातार बेहतर होती स्थिति का प्रमाण माना जा रहा है।

बीते छह वर्षों में आतंकवाद से संबंधित मौतों में 615 की कमी

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त 2019,

जिस दिन अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त किया गया था। तब से लेकर 4 अगस्त 2025 तक आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में कुल 1,230 लोगों की मौत हुई है। यह आंकड़ा संवैधानिक बदलाव से पहले के छह वर्षों की तुलना में 33 प्रतिशत (615 लोग) कम है, जब इसी अवधि में 1,845 लोगों ने अपनी जानें गंवाई थीं।

कितने आतंकी मारे गए?

अनुच्छेद 370 हटने से पहले की कुल मौतों में 243 नागरिक, 475 सुरक्षाकर्मी और 1,121 आतंकवादी शामिल थे। इसकी तुलना में, 2019 के बाद के आंकड़ों में 189 नागरिक, 204 सुरक्षाकर्मी, 833 आतंकवादी और चार ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जिनकी पहचान अभी भी अपुष्ट है।

2018 से 2025 के बीच किस साल हुई सबसे अधिक मौतें?

आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि पिछले एक दशक में 2018 में आतंकवाद से संबंधित मौतों की संख्या सबसे अधिक थी, जब 452 लोग मारे गए थे, जिनमें 86 नागरिक और 271 आतंकवादी शामिल थे।

अनुच्छेद 370 हटने के ठीक बाद के महीनों में, यानी अगस्त से दिसंबर 2019 तक, केवल 50 मौतें दर्ज की गईं, जो उसी वर्ष के पहले सात महीनों में हुई 233 मौतों की तुलना में एक बड़ी गिरावट थी।

वर्ष 2020 में मौतों में थोड़ी वृद्धि देखी गई, जब 321 मौतें हुईं, जिसका मुख्य कारण गहन आतंकवाद विरोधी अभियान थे, जिसके परिणामस्वरूप 232 आतंकवादी मारे गए।

तब से, वार्षिक मौतों की संख्या 275 से नीचे बनी हुई है, जिसमें 2023 और 2024 ने एक दशक से अधिक समय में सबसे कम आंकड़े दर्ज किए हैं।

2023 तक यह संख्या घटकर 134 हो गई और 2024 में 127 पर आ गई।

2025 में अब तक 71 मौतें दर्ज की गई हैं, जिनमें 28 नागरिक, 10 सुरक्षाकर्मी और 32 आतंकवादी शामिल हैं।

नागरिकों की मौतों में भी कमी आई है, हालांकि यह गिरावट सीधी नहीं रही। 2023 में केवल 12 नागरिक मारे गए, जो 12 वर्षों में सबसे कम वार्षिक संख्या थी। यह संख्या 2024 में बढ़कर 31 हो गई, और इस साल अब तक 28 नागरिक मारे जा चुके हैं। 2025 में हुई मौतों में से 26 एक ही घटना से संबंधित थीं-22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला।

क्या कहते हैं पुलिस और शीर्ष अधिकारी?

गिरती हुई संख्याओं के बावजूद, शीर्ष अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आतंकवादी खतरे की प्रकृति बदल गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बार-बार कहा है कि क्षेत्र में आतंकवाद अब लगभग पूरी तरह से विदेशी तत्वों द्वारा चलाया जा रहा है।

ईटीवी की रिपोर्ट के अनुसार एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "विदेशी आतंकवादियों की उपस्थिति और बार-बार घुसपैठ के प्रयास लगातार चुनौतियां हैं।" उन्होंने यह भी कहा, "लेकिन खुफिया-आधारित अभियानों और बढ़ी हुई सामुदायिक भागीदारी ने शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।"

सिराज का ओवल में तूफान, हैदराबादी अंदाज में ओवैसी ने कही ऐसी बात, वायरल हुआ- 'मियां का मैजिक'

(जीएनएस)।

ओवल टेस्ट में भारत की 6 रन की धमाकेदार जीत ने क्रिकेट फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया, और इस जीत के हीरो बने मोहम्मद सिराज। इसके बाद सोशल मीडिया पर 'मियां का मैजिक' ट्रेंड करने लगा। इसी बीच, हैदराबाद के 'नवाब' असदुद्दीन ओवैसी ने ऐसा तड़कता-भड़कता तारीफी 'पाशा' दिया कि सोशल मीडिया पर बवाल मच गया।

अक्टक्ट चीफ और हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने सिराज की तारीफ में कहा, 'हमेशा विजेता सिराज! जैसा हम हैदराबादी में कहते हैं, पूरा खोल दिए पाशा!' यह ट्वीट इतना वायरल हुआ कि फैंस ने इसे 'मियां मैजिक' का सेलिब्रेशन बता दिया। आइए, जानते हैं इस रोमांचक जीत और सिराज की कहानी को, जो किसी बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर से कम नहीं...

सिराज का 'मियां मैजिक' और ओवल का तहलका

31 साल के हैदराबादी पेसर मोहम्मद सिराज ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट में ऐसा तूफान मचाया कि इंग्लिश बल्लेबाजों के पसीने छूट गए। भारत को 4 विकेट चाहिए थे, इंग्लैंड को 35 रन। मैच का रोमांच चरम पर था, और तभी सिराज ने गजब का कमबैक किया। उन्होंने जेमी स्मिथ, जेमी ओवरटन और गस एटकिंसन को एक घंटे के भीतर आउट कर इंग्लैंड को 367 पर समेट दिया। खासकर एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़ने वाला उनका यॉर्कर तो इतना घातक था कि स्टेडियम में 'सीऊ' सेलिब्रेशन के साथ फैंस भी झूम उठे। सिराज ने दूसरी पारी में 5/104 और पूरे मैच में 9 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया। पूरी सीरीज में उनके 23 विकेट ने भारत को 2-2 से सीरीज ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

'पाशा' की तारीफ और हैदराबादी कनेक्शन

सिराज की इस धमाकेदार

परफॉर्मेंस पर हैदराबाद के सांसद और अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में ट्वीट किया, इस ट्वीट के साथ सिराज के 'सीऊ' सेलिब्रेशन का GIF वायरल हो गया। सिराज और ओवैसी दोनों हैदराबाद से हैं, और यह तारीफ एकदम 'दिल से दिल तक' थी। ओवैसी पहले भी कई मौकों पर सिराज की तारीफ कर चुके हैं, और इस बार उनका हैदराबादी अंदाज फैंस को खूब भाया। एक फैन ने लिखा, 'ओवैसी भाई और सिराज भाई, हैदराबाद की शान!'

सिराज का दिल छूने वाला संघर्ष

सिराज की यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि उनके जीवन की भी जीत थी। चौथे दिन हैरी ब्रूक (19 रन) का कैच लेते वक्त सिराज का पैर बाउंड्री रोप पर लग गया था, जिसके बाद ब्रूक ने शतक ठोक दिया। सिराज ने चेतेश्वर पुजारा से बातचीत में कहा, 'मुझे लगा, मैच हाथ से निकल गया। वह कैच छूटना गेम-चेंजर था।' लेकिन सिराज ने हार नहीं मानी। उन्होंने बताया, 'सुबह उठकर मैंने फोन पर 'Believe' इमोजी वॉलपेपर बनाया और खुद से कहा-मैं देश के लिए यह मैच जिताऊंगा।' सिराज की योजना थी 'ऑफ स्टंप के बाहर लगातार सही लाइन-लेंथ' डालना, और यही रणनीति इंग्लैंड की हार का कारण बनी।

सीरीज का रोमांचक अंत

भारत ने पहली पारी में 224 और दूसरी में यशस्वी जायसवाल (118) की बदौलत 396 रन बनाए। इंग्लैंड ने पहली पारी में 247 और दूसरी में 367 रन बनाए, लेकिन सिराज (5/104) और प्रसिद्ध कृष्णा (4/126) की गेंदबाजी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। यह भारत की टेस्ट इतिहास की सबसे करीबी जीत थी, और सिराज का पांचवां पारी में पांच विकेट हॉल उनके करियर का सुनहरा पल बन गया। भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को बरकरार रखा और हळउ 2025-27 पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

सिराजः हैदराबाद का हीरो

ऑटो ड्राइवर के बेटे से लेकर भारत के 'पेस किंग' तक, सिराज की कहानी प्रेरणादायक है। हैदराबाद के टॉलीचौकी में जन्मे सिराज ने गरीबी और मुश्किलों को पार कर क्रिकेट की दुनिया में अपनी जगह बनाई। उनकी मेहनत और जुनून ने उन्हें आज 57 करोड़ की नेटवर्थ का मालिक बना दिया। ओवैसी का 'पाशा' ट्वीट न सिर्फ सिराज की तारीफ थी, बल्कि हैदराबाद की उस भावना का प्रतीक था, जो कभी हार नहीं मानती।

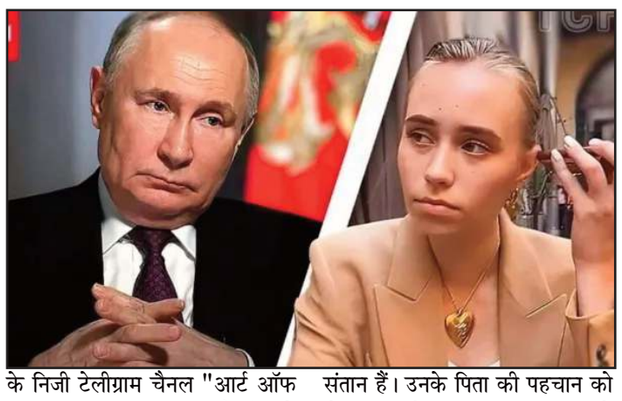

विवादास्पद आदेश पर सीएम सख्तः बोले- जाति-धर्म के नाम पर न हो कार्रवाई; पंचायती राज के संयुक्त निदेशक पर गिरी गाज

लखनऊ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि इस प्रकार की भाषा और सोच न केवल शासन की नीतियों के विरुद्ध है, बल्कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्यवाही पूरी निष्पक्षता, तथ्यों और कानून के अनुसार होनी चाहिए, न कि जाति या धर्म के आधार पर।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंचायती राज विभाग द्वारा जारी उस विवादास्पद आदेश पर सख्त नाराजगी जताई है, जिसमें ग्रामसभा की भूमि से अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही को जाति विशेष (यादव) और धर्म विशेष (मुस्लिम) से जोड़कर निर्देशित किया गया था।

मुख्यमंत्री ने संबंधित आदेश को पूर्णतः भेदभावपूर्ण और अस्वीकार्य करार देते हुए उसे तत्काल प्रभाव से रद्द करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, निदेशक पंचायती राज ने इसे रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आदेश जारी करने वाले संबंधित

संयुक्त निदेशक एसएन सिंह को तत्काल निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि इस प्रकार की भाषा और सोच न केवल शासन की नीतियों के विरुद्ध है, बल्कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्यवाही पूरी निष्पक्षता, तथ्यों और कानून के अनुसार होनी चाहिए, न कि जाति या धर्म के आधार पर। उन्होंने अधिकारियों को इस प्रकार की गलती की पुनरावृत्ति नहीं होने देने की चेतावनी भी दी है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि सरकार समरसता, सामाजिक न्याय और सबके समान अधिकारों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। सरकार की नीतियां किसी व्यक्ति, समुदाय या वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह से प्रेरित नहीं हो सकतीं। हमारी प्रतिबद्धता संविधान और न्याय की मूल भावना के प्रति है।

बता दें कि बलिया के डीपीआरओ अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने दो जुलाई को जिले के सभी विकास खंड अधिकारियों को निदेशक पंचायती राज की ओर से 29 जुलाई को जारी आदेश का हवाला देते हुए दो जाति विशेष के लोगों द्वारा गांव की सार्वजनिक जमीनों पर किए गए कब्जा को खाली कराने के लिए अभियान चलाने का निर्देश जारी किया था। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था।

डीपीआरओ बलिया का यह आदेश जैसे ही सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो हडकंप मच गया। निदेशालय ने आनन - फानन में आदेश की जांच की गई तो पता चला कि पंचायती राज निदेशक अमित सिंह की जानकारी के बिना ही संयुक्त निदेशक एसएन सिंह की ओर से यह आदेश जारी किया गया है।

पुतिन की सीक्रेट बेटी ने अपने पिता पर लगाए गंभीर आरोप, कहा-'मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी'

(जीएनएस)।

व्लादिमीर पुतिन की कथित बेटी ने पहली बार रूसी राष्ट्रपति पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी चुप्पी तोड़ी है। 22 साल एलिजावेता क्रिवोनोगिख, जिन्हें लुइजा रोजोवा के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने ने अपने "पिता" पर परोक्ष रूप से टिप्पणी की। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति पर अपनी भड़ास निकाली जिसने कथित तौर पर उनकी ज़िंदगी "बर्बाद" कर दी और यूक्रेन में चल रहे युद्ध को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की।

'मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी'

पेरिस में रह रहीं आर्ट स्कूल की ग्रेजुएट लुइजा ने कहा कि "उस व्यक्ति ने लाखों लोगों की जान ले ली और मेरी ज़िंदगी बर्बाद कर दी।" यह उनके कथित पिता पर एक कड़वा प्रहार माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में सीधे तौर पर पुतिन का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके पिता की पहचान को लेकर व्यापक रिपोर्टों के संदर्भ में इसे सीधे तौर पर पुतिन पर हमला समझा जा सकता है।

अब खुलकर लिखती हैं लुइजा...

लुइजा ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, "दुनिया को अपना चेहरा दोबारा दिखा पाना आजादी जैसा है।" बिल्ड ने दावा किया कि वहा लुइजा

के निजी टेलीग्राम चैनल "आर्ट ऑफ लुइजा" तक पहुंच रखता है, जिसमें लुइजा ने कहा, "यह मुझे याद दिलाता है कि मैं कौन हूं और किसने मेरी ज़िंदगी बर्बाद की।" पहले लुइजा अपने इंस्टाग्राम पर चेहरा छिपाती थीं, लेकिन अब उन्होंने अपनी पूरी तस्वीरें साझा करना शुरू कर दिया है।

कैसे बने पुतिन लुइजा के पिता?

लुइजा का जन्म 3 मार्च 2003 को सेंट पीटर्सबर्ग में हुआ था। माना जाता है कि वह पुतिन और उनकी पूर्व क्लीनर स्वेतलाना क्रिवोनोगिख के बीच के एक कथित रिश्ते से जन्मी संतान हैं। उनके पिता की पहचान को लेकर पहली बार खुलासा 2020 में क्रेमलिन-विरोधी खोजी परियोजना "प्रोएक्ट" ने किया था। रिपोर्टों के अनुसार, उनके जन्म के बाद उनकी माँ बेहद धनी हो गईं, जिससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह पैसा पुतिन ने उनकी चुप्पी खरीदने के लिए दिया था।

प्राइवेट जेट में करती हैं यात्रा

पहले लुइजा के रूसी सोशल मीडिया अकाउंट सार्वजनिक थे, जिनमें वह निजी जेट में दुनिया भर की यात्रा करती, एक्सक्लूसिव क्लबों में डीजे करती और डिजाइनर कपड़े पहने दिखती थीं। हालांकि, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से ठीक पहले, उनका अकाउंट अचानक डिलीट कर दिया गया। तब से वह पेरिस चली गई हैं और उन्होंने जून 2024 में आईसीएआरटी स्कूल ऑफ कल्चरल एंड आर्ट मैनेजमेंट से ग्रेजुएट हैं।

मैं कहीं नहीं जा सकती- लुइजा

रूस छोड़ने के बाद, उन्होंने टेलीग्राम पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा, "मैं अपने प्यारे सेंट पीटर्सबर्ग में एक और चक्कर नहीं लगा सकती।" उन्होंने आगे जोड़ा, "मैं अपनी पसंदीदा जगहों और स्थानों पर नहीं जा सकती।" हाल ही में, उनका डिजिटल फुटप्रिंट एक बदले हुए रूप में फिर से सामने आया है। वह अब अधिक राजनीतिक हो गई हैं और यूक्रेन युद्ध के खिलाफ खुलकर बोलती हैं, साथ ही विलासिता की निंदा करती हैं।

एसएससी परीक्षा में नकल कराने के लिए यूपी-हरियाणा गिरोह का गैंग, नैनीताल के हल्द्वानी से ऐसे चल रहा था धंधा

(जीएनएस)।

उत्तराखंड की नैनीताल पुलिस ने प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल कराने की वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जो यूपी और हरियाणा राज्यों से आकर नैनीताल जिले में आगामी परीक्षाओं को लेकर प्लानिंग में जुटे थे।

पुलिस का दावा है कि ये गिरोह इससे पहले भी प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल कराते थे। आरोपियों से पुलिस ने मोबाइल और लैपटॉप बरामद किए हैं। साथ ही आरोपियों के मोबाइल से चेट बरामद किए हैं, जिनमें परीक्षाओं को लेकर बातचीत करने का दावा किया गया।

नैनीताल के एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि कार्रवाई में गैंग लीडर समेत 9 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी एक सुनियोजित तरीके से लाखों रुपये लेकर ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल कराने की योजना पर काम कर रहे थे। एसएसपी ने बताया कि पुलिस को हल्द्वानी शहर के परीक्षा केंद्रों में नकल गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम का गठन किया गया और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

टीम ने एक होटल पर दबिश देकर आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। बताया कि गैंग द्वारा 6 अगस्त से होने वाली एसएससी परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को पास कराने की योजना थी।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये आरोपी लाइब्रेरी किराए पर लेकर वहां एनीडेस्क और रिमोट सॉफ्टवेयर के माध्यम से परीक्षार्थियों को नकल कराने का नेटवर्क चला रहे थे। इस काम के लिए हर अभ्यर्थी से 4 लाख रूपए में सौदा किया जाता था। गैंग दिसंबर 2024 से हल्द्वानी में "डिजिटल लाइब्रेरी" के नाम पर यह अवैध धंधा चला रहा था। जो कि परीक्षा केंद्रों में बैठे सॉल्वरों के माध्यम से दूर बैठकर आईटी एक्सपर्ट्स के जरिये नकल कराते हैं। गिरफ्तार आरोपियों में गैंग लीडर सुनील कुमार और परविंदर कुमार समेत उत्तर प्रदेश, हरियाणा व उत्तराखंड के निवासी युवक शामिल हैं, जिनकी पहचान राहुल शर्मा, अभिषेक कुमार, विशाल गिरि, आफताब खान, अरुण कुमार, शिव सिंह और जसवीर सिंह के रूप में हुई है।

प्रो पंजा लीग के दूसरे सीजन में 6 टीमों के बीच टक्कर, कब होंगे मैच और किन शहरों की टीमें शामिल

(जीएनएस)।

प्रो पंजा लीग (PPL) ने सोमवार को ऐतिहासिक शहर ग्वालियर के जिवाजी क्लब में आयोजित लॉन्च इवेंट के दौरान सीजन 2 की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह तोमर, किराक हैदराबाद के सीईओ त्रिनाथ रेड्डी, रोहतक रॉडीज के मालिक अभिषेक मलिक तथा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास और प्रीति झांगियानी उपस्थित रहे। इसी मौके पर नई और छठी फ्रेंचाइजी एमपी हथोड़ास का परिचय भी कराया गया, जिससे इस क्षेत्र में लीग का प्रभाव और बढ़ा है।

इस सीजन में मुंबई मसल, जयपुर वीर, किराक हैदराबाद, शेर-ए-लुधियाना, रोहतक रॉडीज और एमपी हथोड़ास - कुल छह टीमें प्रतिष्ठित खिताब के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

कार्यक्रम में 70 किलोग्राम भार वर्ग की दो रोमांचक शोकेस बाउट्स की भी घोषणा की गई - स्टीवे (किराक हैदराबाद) बनाम सिवाजित (शेर-ए-लुधियाना) और आकाश (एमपी हथोड़ास) बनाम आशीष (मुंबई मसल)।

इवेंट के लिए ग्वालियर शहर की मेजबानी को लेकर अपने विचार साझा करते हुए अभिनेता/निर्देशक एवं प्रो

पंजा लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने कहा "2022 के उन बड़े मुकाबलों के दौरान हमें ग्वालियर के जोशीले समर्थकों और बेहद आत्मीय स्वागत ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। यहाँ की असली खेल भावना, मेहमाननवाजी और दर्शकों का ऊर्जा से भरा उत्साह इस शहर को हमारे टूनार्मेंट के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। हम सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री वीरेंद्र सिंह खतैक जी और स्टेडियम प्राधिकरण का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस तरह के खेल आयोजन को ग्वालियर में संभव बनाया। इस शहर का माहौल खिलाड़ियों और दर्शकों - दोनों के लिए आदर्श है और हमें विश्वास है कि यहाँ हमारा संबंध और गहरा व समृद्ध होगा।"

टूनार्मेंट के प्रारूप में निर्धारित संख्या में "पिन" (राउंड जीतना) हासिल करने होते हैं, जो दो खिलाड़ियों के बीच कई बाउट्स के आधार पर तय होते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में मुकाबले तय भार वर्गों के अनुसार होते हैं, साथ ही शारीरिक रूप से दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए अलग श्रेणियाँ भी निर्धारित हैं। एक सीजन में कई टीमें लीग प्रारूप में एक-दूसरे से मुकाबला करती हैं, जिसके अंत में फाइनल प्लेऑफ होता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों से जुड़ाव पर बल देते हुए एवं ग्वालियर जैसे आकर्षक स्थल में टूनार्मेंट आयोजित करने के महत्व पर बात करते हुए, सह-संस्थापक प्रीति झांगियानी ने कहा "हमारे आर्म रेसलिंग खेल की गहरी सांस्कृतिक जड़ें हैं, जो हमें ग्वालियर जैसे रोमांचक स्थलों तक ले जाती हैं और हमें भारत के विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ती हैं। हमारी लीग की प्रतिबद्धता है कि हम इस खेल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेशेवर मंच दें, ताकि दर्शक भारतीय आर्म रेसलिंग को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर होते हुए देखें।"